कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं पर वैश्विक सम्मेलन

(जीसीडब्ल्यूएएस-2026)

प्रगति की दिशा में,
नई ऊँचाइयों की ओर

दिल्ली घोषणा

12-14 मार्च, 2026

भाकृअनुप सम्मेलन केन्द्र, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर
(एनएएससी), पूसा परिसर, नई दिल्ली - 110012, भारत

www.gcwas.taas.in

कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं पर वैश्विक सम्मेलन
(जीसीडब्ल्यूएएस-2026)

विश्व के विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधि, नवप्रवर्तक, कृषक, वैज्ञानिक, उद्यमी, नीति-निर्माता, विकास भागीदार एवं शोधार्थी 12 से 14 मार्च, 2026 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं पर वैश्विक सम्मेलन (जीसीडब्ल्यूएएस-2026) में एकत्रित हुए। यह सम्मेलन कृषि विज्ञान उन्नयन ट्रस्ट (टास) तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा, अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परामर्श समूह (सीजीआईएआर), पादप किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवी एंड एफआरए) तथा अन्य राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से आयोजित किया गया। इसमें 18 से अधिक देशों के लगभग 850 प्रतिभागियों ने शिरकत की। सभी ने सर्वसम्मति से यह दृढ़ विश्वास व्यक्त किया कृषि-खाद्य प्रणालियों का भविष्य महिलाओं के नेतृत्व, नवाचार और सशक्तिकरण पर निर्भर करता है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2026 को 'अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष' घोषित किए जाने के परिप्रेक्ष्य में, हम एक ऐतिहासिक और निर्णायक मोड़ पर खड़े हैं। महिलाएं वैश्विक कृषि व्यवस्था की आधारशिला हैं। वे बुआई करती हैं, फसल उत्पादन एवं कटाई में संलग्न रहती हैं, जैव विविधता का संरक्षण करती हैं, पशुपालन का दायित्व निभाती हैं, परिवारों का पोषण करती हैं, समुदायों को सशक्त बनाती हैं, व्यावसायिक गतिविधियों में भागीदारी करती हैं तथा खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं। इसके बावजूद, इनके योगदान को प्रायः अदृश्य बना दिया जाता है, कमतर आंका जाता है यहाँ तक कि इन्हें अपेक्षित मान्यता नहीं मिल पाती।

कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं का सशक्तिकरण केवल समानता का विषय नहीं है; यह सतत विकास, आर्थिक समृद्धि और वैश्विक स्थिरता के लिए एक रणनीतिक अनिवार्यता है। वर्ष 2026 वह निर्णायक मोड़ होना चाहिए, जब वैश्विक समुदाय वादों और विमर्श से आगे बढ़कर ठोस और मापनीय परिणामों की दिशा में ठोस कदम उठाए। अब समय आ गया है कि वादों और बहसों के स्थान पर कार्यवाही, जवाबदेही और सहयोग को प्राथमिकता दी जाए।

हम यह पुष्टि करते हैं कि यह आवश्यक परिवर्तन दृढ़ता और स्थायित्व के साथ सुनिश्चित किया जाएगा।

कृषि-खाद्य प्रणालियों की पुनर्कल्पना

यह तब तक संभव नहीं है, जब तक उनमें निहित लैंगिक असमानताओं का प्रभावी एवं समग्र निराकरण नहीं किया जाता। महिलाओं को केवल भागीदारी तक सीमित नहीं रखा जा सकता बल्कि इन्हें नेतृत्वकारी भूमिका में स्थापित करना अनिवार्य है। इन्हें भूमि, वित्त, प्रौद्योगिकी, बाजार, डिजिटल संसाधनों, शिक्षा तथा निर्णय-निर्माण जैसे मंचों तक समान, सुरक्षित एवं सुलभ पहुंच सुनिश्चित की जानी चाहिए। साथ ही, नीतिनिर्माण, नवाचार को दिशा प्रदान करने तथा भविष्य के निवेशों का मार्गदर्शन करने में इनकी सक्रिय और सार्थक भागीदारी सुनिश्चित की जानी आवश्यक है, ताकि सतत, समावेशी और न्यायसंगत विकास को सुदृढ़ आधार मिल सके।

जीसीडब्ल्यूएएस 2026 में हुई चर्चा ने यह पुनः पुष्टि की है कि लैंगिक अंतर को समाप्त करना केवल एक नैतिक दायित्व ही नहीं, बल्कि आर्थिक एवं सामाजिक आवश्यकता के साथ-साथ एक जलवायु संबंधी अनिवार्यता भी है। उपलब्ध प्रमाण दर्शाते हैं कि जब महिलाओं को संसाधनों और अवसरों तक समान पहुंच प्राप्त होती

है, तो उत्पादकता में 20 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि होती है, आय में बढ़ोतरी होती है, परिवारों का पोषण स्तर सुधरता है तथा समुदाय अधिक सशक्त, समावेशी और प्रगतिशील बनते हैं। अतः महिलाओं का सशक्तिकरण सतत विकास तथा सभी के लिए समृद्ध और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

हम उन संरचनात्मक बाधाओं को स्वीकार करते हैं जो अभी भी बनी हुई हैं जैसे- असमान भूमि अधिकार, ऋण तक सीमित पहुंच, आवागमन पर प्रतिबंध, अपर्याप्त कृषि विस्तार सेवाएं तथा नेतृत्व से जुड़े पदों में महिलाओं का कम प्रतिनिधित्व। ये समस्याएं एक-दूसरे से भिन्न नहीं है, बल्कि प्रणालीगत असमानताओं का परिणाम हैं, जिनके समाधान के लिए त्वरित, समन्वित और ठोस सुधारों की आवश्यकता है।

हम वर्ष 2012 में नई दिल्ली में आयोजित 'कृषि क्षेत्र में महिलाओं पर प्रथम वैश्विक सम्मेलन' को स्मरण करते हुए, उस अवसर पर व्यक्त दीर्घकालिक वैश्विक साझेदारी के संकल्प को पुनः पुष्ट करते हैं। चौदह वर्षों के उपरांत, हम उसी दृष्टि को अधिक गति, दृढ़ प्रतिबद्धता तथा मापनीय कार्यों के साथ-साथ परिणामों को आगे बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध हैं।

इसी साझा प्रतिबद्धता के आधार पर, हम अब सामूहिक रूप से एक ठोस, क्रियान्वयन-उन्मुख कार्य-ढांचे की दिशा में अग्रसर होते हैं।

प्रतिबद्धता से सशक्तिकरण तक: वैश्विक कार्यवाही का आह्वान

आज, नई दिल्ली में, हम संवाद से आगे बढ़कर ठोस क्रियान्वयन की दिशा में दृढ़तापूर्वक अग्रसर होने का संकल्प करते हैं तथा एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी वैश्विक मंच की स्थापना का निर्णय लेते हैं।

कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं के लिए वैश्विक गठबंधन (जीएडब्ल्यूएएस)

यह गठबंधन एक गतिशील, क्रियान्वयन-उन्मुख वैश्विक गठबंधन के रूप में कार्य करेगा, जो सरकारों, अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों, अनुसंधान संस्थानों, निजी क्षेत्र के प्रतिनिधि, नागरिक समाज, किसान संगठनों तथा युवा नेटवर्कों को एक मंच पर लाएगा। इसका उद्देश्य लैंगिक समानता को संस्थागत रूप देना तथा कृषि-खाद्य प्रणालियों के रूपांतरण में महिलाओं को केंद्रीय नेतृत्वकारी भूमिका में स्थापित करना है।

वैश्विक कृषि-खाद्य प्रणालियों के लिए एक निर्णायक मोड़

- हमारा दृढ़ विश्वास है कि कृषि में महिलाओं का सशक्तिकरण कोई परोपकारी पहल नहीं, बल्कि हमारे साझा भविष्य में एक रणनीतिक निवेश है।
- जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो कृषि क्षेत्र समृद्ध होते हैं।
- जब कृषि क्षेत्र समृद्ध होते हैं, तो खाद्य प्रणालियां सुदृढ़ होती हैं;
- जब खाद्य प्रणालियां सुदृढ़ होती हैं, तो राष्ट्र समृद्ध होते हैं।

जीएडब्ल्यूएएस की प्रतिबद्धताएं

* कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखलाओं में समानता को सुनिश्चित करने हेतु लैंगिक-संवेदनशील नीतियों और संस्थागत सुधारों को बढ़ावा देना।
* ऐसे सक्षम वातावरण का निर्माण करना, जो महिलाओं के भूमि, वित्त, प्रौद्योगिकी, बाजार एवं डिजिटल नवाचार तक अधिकार और पहुंच को सुदृढ़ करे।
* महिला किसानों, वैज्ञानिकों एवं कृषि-व्यवसाय से जुड़े नेतृत्वकर्ताओं के बीच नेतृत्व विकास और उद्यमिता को प्रोत्साहित करना।
* लैंगिक-संवेदनशील बजटिंग सुनिश्चित करना तथा लैंगिक-विभेदित आंकड़ों के व्यवस्थित संकलन को बढ़ावा देना।
* समय-समय पर लैंगिक लेखा-परीक्षण और पारदर्शी प्रगति रिपोर्टिंग सहित सुदृढ़ एवं जवाबदेही तंत्र स्थापित करना।
* महिलाओं के नेतृत्व में सफल परिवर्तन के मॉडलों, नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों तथा विस्तार योग्य समाधानों के वैश्विक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना।

भावी परिदृश्य

हम जीएडब्ल्यूएएस के माध्यम से सतत सहयोग, मापनीय लक्ष्यों तथा साझा जवाबदेही के आधार पर इस एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जीएडब्ल्यूएएस सम्मेलन विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्येक चार वर्षों के अंतराल पर आयोजित किया जाएगा, ताकि प्रगति की समीक्षा, रणनीतियों का परिष्करण तथा आगामी चक्र हेतु कार्ययोजनाओं को अपनाया जा सके।

साथ मिलकर, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि महिलाओं का नेतृत्व विश्वभर में सशक्त, समावेशी और सतत कृषि-खाद्य प्रणालियों के निर्माण में एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित हो।

Organizers and Co-Organizers

Organizers

Indian Council of Agricultural Research (ICAR)

Trust for Advancement of Agricultural Sciences (TAAS)

Consultative Group of International Agricultural Research (CGIAR)

Protection of Plant Varieties and Farmers' Rights Authority (PPV&FRA)

Co-Organizers

International Maize and Wheat Improvement Center (CIMMYT)

Borlaug Institute of South Asia (BISA)

International Center for Agricultural Research in the Dry Areas (ICARDA)

Alliance of Bioversity International and the International Center for Tropical Agriculture (CIAT)

Tata Cornell Institute (TCI)

International Water Management Institute

International Food Policy Research Institute (IFPRI)

Australian Centre for International Agricultural Research (ACIAR)

Center for International Forestry Research and World Agroforestry (CIFOR-ICRAF)

SM Sehgal Foundation (SMSF)

CGIAR GENDER Equality and Inclusion (CGIAR GENDER)

Bhartiya Krishak Samaj (BKS)

Indian Society of Plant Genetic Resources (ISPGR)

Knowledge Partners

M.S. Swaminathan Research Foundation (MSSRF)

Michigan State University

International Rice Research Institute (IRRI)

National Academy of Agricultural Sciences (NAAS)

International Crops Research Institute for the Semi-Arid Tropics (ICRISAT)

Consultative Group for International Agricultural Research (CGIAR)

Diamond Sponsors

Mahyco Grow

Corteva Agriscience

Rasi Seeds

Gold Sponsors

National Dairy Development Board (NDDB)

Bayer Global

AgVaya

Federation of Seed Industry of India (FSII)

Parsons Nutritionals Pvt Ltd

National Seed Association of India (NSAI)

Silver Sponsors

Savannah

Star Agri-Seeds

Crystal Crop protection

SeedWorks International